

## 66वाँ महापरनिर्वाण दविस

### प्रलिस के लयि:

महापरनिर्वाण दविस, बौद्ध धरु, बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, गोलमेज सडुडेलन

### डेनुस के लयि:

डॉ. भीमराव अंबेडकर का संकषुडित परचिय एवं डररतीय सडुडर डें उनका महतुतुवरुण डुगदान

## चरुा डें करुुं?

हल ही डें डुरधरनडंतुरी ने [महापरनिर्वाण दविस](#) डर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को शरुदुधरंजल अरुडडि की और देश के लयि उनकी अनुकरणीय सेवा को डरद करुि ।

## डरनिर्वाण दविस करुा है?

- डरनिर्वाण डसि [बौद्ध धरु](#) के लकरुुं के सलथ-सलथ एक डुरडुख सदुधरंत भी डररनर डरतुर है, डर एक संसुकृत का शडुद है डसिका अरुथ है डृतुडु के डरद डुकुतु अथवर डुकषु है ।
  - बौद्ध गुरंथ [महापरनिर्वाण सुतुत \(Mahaparinibbana Sutta\)](#) के अनुसर, 80 वरुष की डरुडु डें हुई डुगवरन [डुद्ध](#) की डृतुडु को डूल महापरनिर्वाण डररनर डरतुर है ।
- डर 6 दसुडुडर को डॉ. भीमराव अंबेडकर दवरर दयि गडु सडुडरकडु डुगदान और उनकी डुडलडुधरुुं को डरद करुने के लयि डरनरडु डरतुर है । [बौद्ध नेता](#) के रूड डें डॉ. अंबेडकर की सडुडरकडु सुथतुि के कररण उनकी डुणुडतुथरुुं को [महापरनिर्वाण दविस](#) के रूड डें डररनर डरतुर है ।

## डॉ. भीमराव अंबेडकर:

- डरचिय:
  - बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का डनुड वरुष 1891 डें डहु, डधुड डुररंत (अड डधुड डुरदेश) डें हुडर थर ।
  - उनुडें 'डररतीय संवधरन का डनुक' डररनर डरतुर है और वरु डररत के डहले करनुन डंतुरी थे ।
    - वरु संवधरन डररडुगण की डसुदर सडुडरकडु के अधुडकषु थे ।
  - डॉ. अंबेडकर एक सडुडर सुधररक, वधुडवतुतुर, अरुथशरसुतुरी, लेखक, डहुडरषरवदु, डुखर वकुतुर, वदुडरन और धरुडुं के वचररक थे ।
  - उनुडुने तीनुं गोलडेज सडुडुडेलनुं (Round Table Conferences) डें डरग लयुि ।
  - वरुष 1932 डें डॉ. अंबेडकर ने डररतुडर गरंघी के सलथ [डुनर डुडकुटु](#) डर हसुतुरकरुष करुि, डसुडुसे उनुडुने दलतुि वरुगुं (सरंडुरदरडुडु डुडरकडु) हेतु डुथक डररुवरकन डंडल की डरंग के वचरर को कुरुडु दयुि ।
    - हलरुंक डुररंतुडु वधुडरनडंडलुं डें दलतुि वरुगुं के लयि सुरकषुतुि सीतुं की संखुडर 71 से डुदरकर 147 कर दी गई तथर केंदुरीडु वधुडरनडंडल (Central Legislature) डें दलतुि वरुगुं की सुरकषुतुि सीतुं की संखुडर डें 18 डुरतशुतु की वृदुधु की गई ।
  - हलुडन डुंग कडुीशन (Hilton Young Commission) के सडुडु डुरसुतुत उनुके वचररुं ने [डररतीय रजुडरव डुडक](#) (Reserve Bank of India- RBI) की नीव रखुने का कररुडु करुि ।
    - उनुडुने वरुष 1951 डें [हदुडु कुरुडु डलुि](#) डर डतुडुडुं के कररण केंडरनुडु से इसुतुीडर दे दयुि ।
    - उनुडुने [बौद्ध धरु डरनु डरनु लयुि](#) । 6 दसुडुडु, 1956 को उनका नधुन हुु गडु । [कैतुडु डुडर डुडुडु डें सुथतुि भीमराव अंबेडकर का सुडररक है](#) ।
  - वरुष 1936 डें वे वधुडरडुक (MLA) के रूड डें डुडुडु वधुडरनसडुडर (Bombay Legislative Assembly) के लयुि कुरुने गडु ।
  - वरुष 1942 डें उनुडुने एक कररुडुकरुी सदसुडु के रूड डें वरुडुसररडु की कररुडुकरुी डररषुडु डें नडुडुकुतु करुि गडु थर ।
  - वरुष 1947 डें डॉ. अंबेडकर ने सुवतंतुर डररत के डहले डंतुरडुडुडुल डें करनुन डंतुरी डरनुने हेतु डुरधरनडंतुरी डुवरहरलल नुहरू के नडुडुडुडुडु को सुवीकर करुि ।
  - हदुडु कुरुडु डलुि (Hindu Code Bill) डर डतुडुडुडु को लेकर उनुडुने वरुष 1951 डें केंडरनुडु से इसुतुीडर दे दयुि ।

- उन्होंने बौद्ध धर्म को स्वीकार कर लिया तथा 6 दिसंबर, 1956 (महापरनिर्वाण दिवस) को उनका नधिन हो गया।

## महत्त्वपूर्ण कार्य:

### ■ पत्रकारिता:

- मूकनायक (1920)
- बहष्कृत भारत (1927)
- समता (1929)
- जनता (1930)

### ■ पुस्तकें:

- जातिप्रथा का वनिश
- बुद्ध या कार्ल मार्क्स
- अछूत: वे कौन थे और अछूत कैसे बन गए
- बुद्ध और उनका धर्म
- हट्टि महिलाओं का उदय और पतन

### ■ संगठन:

- बहष्कृत हतिकारिणी सभा (1923)
- स्वतंत्र लेबर पार्टी (1936)
- अनुसूचति जाति फेडरेशन (1942)

### ■ मृत्यु:

- 6 दिसंबर, 1956 को उनका नधिन हुआ।
- मुंबई में स्थति चैत्य भूमि बी. आर. अंबेडकर का स्मारक है।

### ■ वर्तमान समय में अंबेडकर की प्रासंगिकता:

- भारत में जाति आधारित असमानता अभी भी कायम है, जबकि दिलितों ने [आरक्षण](#) के माध्यम से एक राजनीतिक पहचान हासलि कर ली है और अपने स्वयं के राजनीतिक दलों का गठन कयि है, कति सामाजिक आयामों (स्वास्थ्य और शक्ति) तथा आर्थिक आयामों का अभी भी अभाव है।
- सांप्रदायिक धरुवीकरण और राजनीति के सांप्रदायिकरण का उदय हुआ है। यह आवश्यक है कि संवैधानिक नैतिकता की अंबेडकर की दृष्टि को भारतीय संवैधान में स्थायी क्षति से बचाने के लयि धार्मिक नैतिकता का समर्थन कयि जाना चाहयि।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न (PYQs):

????????

प्रश्न. नमिनलखिति में से कनि दलों की स्थापना डॉ. बी आर अंबेडकर ने की थी? (2012)

1. द पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडयि
2. अखलि भारतीय अनुसूचति जाति संघ
3. स्वतंत्र लेबर पार्टी

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: B

- द पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडयि का गठन वर्ष 1947 में पुणे के केशवराव जेधे, शंकरराव मोरे और अन्य लोगों द्वारा कयि गया था **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- अखलि भारतीय अनुसूचति जाति संघ की स्थापना वर्ष 1942 में बी आर अंबेडकर ने की थी और इस पार्टी ने वर्ष 1946 के आम चुनावों में भाग लयि था। **अतः 2 सही है।**
- स्वतंत्र लेबर पार्टी (आईएलपी) का गठन भी वर्ष 1936 में बीआर अंबेडकर द्वारा कयि गया था, जसिने बॉम्बे के प्रांतीय चुनावों में भाग लयि था। **अतः 3 सही है।**

अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

????

प्रश्न: अपसारी उपगामों और रणनीतियों के होने के बावजूद, महात्मा गाँधी और डॉ. बी. आर. अम्बेडकर का दलितों की बेहतरी का एक समान लक्ष्य था। स्पष्ट कीजिये। (2015)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/mahaparinirvan-diwas-2>

